

No. of Printed Pages : 6

MES-112

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

M. A. (EDU.)

Term-End Examination

June, 2024

**MES-112 : DESIGN AND DEVELOPMENT OF
SELF-LEARNING PRINT MATERIALS**

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) *All questions are compulsory.*

(ii) *All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss how the various theories of learning contribute to design and development of self-learning-materials in distance education. Give examples.

Or

Describe the process of communication. Then explain how communication technologies help in creating instructional materials and learning experiences in the distance education system.

P. T. O.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss relative significance of different kinds of self-learning materials for distant learners.

Or

Elaborate the steps that have to be taken into account for the process of course development. Highlight the importance of each stage.

3. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :
- (a) Describe the operations involved in 'course maintenance'.
 - (b) Discuss the importance of 'interaction' in distance learning.
 - (c) What is 'hidden curriculum' and how is it important for self learning material ?
 - (d) Describe different forms of 'assessment' in distance education and their significance for learning.

- (e) The use of 'proper and simple language' is recommended for distance education material. Explain, why.
- (f) Discuss the functions of different types of 'access devices' in study material of distance education.

4. Answer the following question in about **600** words :

Develop a small self learning material on a subject of your choice. Explain how and where the 'basic conditions of learning' have been incorporated in yourself instructional material.

MES-112

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा) (एम. ए. ई. डी. यू.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.ई.एस.-112 : स्व-अधिगम मुद्रित सामग्री की रूपरेखा

एवं विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में

दीजिए :

दूरस्थ शिक्षा में स्व-अधिगम-सामग्रियों के प्रारूपण एवं विकास के लिए अधिगम के विविध सिद्धान्त किस प्रकार योगदान करते हैं ? वर्णन कीजिए। उदाहरण दीजिए।

अथवा

संचार की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। तब व्याख्या कीजिए कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में संचार प्रौद्योगिकियाँ अनुदेशनात्मक सामग्रियों और अधिगम अनुभवों के निर्माण करने में किस प्रकार सहायता करती है ?

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की स्व-अधिगम सामग्रियों के सापेक्षिक महत्व की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया के लिए विचार करने योग्य कदमों का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए। प्रत्येक चरण के महत्व पर विशेष बल दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(अ) 'पाठ्यक्रम अनुरक्षण' (कोर्स मेन्टीनेंस) में शामिल संक्रियाओं (ऑपरेशन्स) का वर्णन कीजिए।

(ब) दूरस्थ अधिगम के लिए 'अन्तःक्रिया' के महत्व की परिचर्चा कीजिए।

- (स) 'प्रच्छन्न पाठ्यचर्या' (हिडेन करीकुलम) क्या है और स्व-अधिगम सामग्री के लिए यह किस प्रकार महत्वपूर्ण है ?
- (द) दूरस्थ शिक्षा में 'आकलन' के विभिन्न रूपों और अधिगम के लिए उनके महत्व का वर्णन कीजिए।
- (य) दूरस्थ शिक्षा सामग्री के लिए 'उपयुक्त और सरल भाषा' का प्रयोग संस्तुत है। व्याख्या कीजिए क्यों ?
- (र) दूरस्थ शिक्षा की अध्ययन सामग्री में विविध प्रकार की 'अभिगम्य युक्तियों' (एक्सेस डिवाइसेज) के प्रकार्यों की परिचर्चा कीजिए।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- अपनी पसन्द के एक विषय पर एक लघु स्व-अधिगम सामग्री विकसित कीजिए। आपकी स्व-अनुदेशनात्मक सामग्री में 'अधिगम की आधारभूत अवस्थितियों' को किस प्रकार और कहाँ समाविष्ट किया गया है ? व्याख्या कीजिए।